'जल हैं तो कल हैं'

न करना उम्मीद कल की, न करना उम्मीद कल की।
आज अगर बदलेगा नहीं तू।
न जल होंगा, न कल होगा,
आज अगर संभलेगा नहीं तू।
न सृष्टि होंगी, न जीवन होगा,
आज अगर बदलेगा नहीं तू।
जल को तुम बचा लो,
न कहीं देर हो जाए।
भविष्य के तेरे सपने,
न यही ढेर हो जाए।
प्रकृति की कदर करना सीख ले, ए मानव!
ऐसा न हो तेरी आंख खुलने से पहले देर हो जाए।

Cadet. Samiksha Sharma
HP19SWA304925
Government degree college Sanjauli,Shimla.
7HP(I)COY NCC SHIMLA